No.	Title	Date	Page No.	Remark
	पाठ योजना-1 भारत की कार्यशील जनसंख्या		1-4	
	पाठ योजना-2 गौण व्यवसाय		5-8	
	पाठ योजना-3 कृषि विपणन		8-12	
	पाठ-योजना-4 प्राथमिक व्यवसाय		13-16	
	पाठ-योजना-5 भारत के आयात निर्यात		16-20	

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

Date ....

पाठ योजना – 1

Expt. No. .... Page No. 1

दिनांक → कक्षा → IX

विषय → अर्थशास्त्र अवधि → 35 मिनट

विद्यालय → श्रीमती श्यामादेवी डिग्री कालेज ऑफ मैनेजमेंट कालांश → IV

प्रकरण → भारत कार्यशील जनसंख्या

शिक्षण बिन्दु	विशिष्ट उद्देश्य	विधि/प्रविधि/स०सा०
1- भारत की जनसंख्या 2- कार्यशील जनसंख्या 3- कार्यशील जनसंख्या के क्षेत्र	1- ज्ञानात्मक प्राप्य उद्देश्य – छात्रों को भारत की जनसंख्या का प्रत्याभिज्ञान करने योग्य बनाना। 2- अवबोधात्मक उद्देश्य – छात्रों को भारत की कार्यशील जनसंख्या से अवगत कराना। 3- अनुप्रयोगात्मक उद्देश्य – छात्रों को जनसंख्या सम्बन्धी पूर्व कथन देने योग्य बनाना। 4- अभिरुच्यात्मक उद्देश्य – छात्रों को जनसंख्या सम्बन्धी चार्ट का प्रदर्शन करने योग्य बनाना। 5- अभिवृत्यात्मक उद्देश्य – छात्रों को कार्यशील जनसंख्या का राष्ट्र के आर्थिक विकास में महत्व को समझने योग्य बनाना। 6- कौशलात्मक उद्देश्य – छात्रों को भारत की जनसंख्या से सम्बन्धित तथ्यों का संकलन करने योग्य बनाना।	विधि – व्याख्यान प्रविधि – 1- प्रश्नोत्तर 2- प्रदर्शन सहायक सामग्री – भारत की विभिन्न वर्षों में जनसंख्या को दर्शाता हुआ एक चार्ट।

पूर्वज्ञान – छात्रों को भारत की जनसंख्या की स्थिति के विषय में सामान्य जानकारी है।

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

Teacher's Signature : ....

Date ....

Expt. No. .... Page No. 2

प्रस्तावना प्रश्न —

छात्राध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
प्रश्न-1- विश्व में सबसे अधिक जनसंख्या किस देश की है?	उत्तर - चीन देश की
प्रश्न-2- जनसंख्या की दृष्टि से भारत का विश्व में कौन-सा स्थान है?	उत्तर - दूसरा
प्रश्न-3- भारत में जनसंख्या की स्थिति कैसी है?	उत्तर - भारत में जनसंख्या की स्थिति विस्फोटक है।
प्रश्न-4- भारत की कितने प्रतिशत जनसंख्या कार्यशील है?	छात्र अनुत्तरित है।

उद्देश्य कथन – आज हम भारत की कार्यशील जनसंख्या के विषय में अध्ययन करेंगे।

प्रस्तुतीकरण –

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	विधि/प्रविधि सहायक सामग्री	श्यामपट्ट कार्य
1- भारत की जनसंख्या	विकासात्मक प्रश्न – प्रश्न 1- क्षेत्रफल की दृष्टि से भारत का विश्व में कौन-सा स्थान है?	उत्तर - सातवाँ स्थान है।	प्रविधि - प्रश्नोत्तर	
	प्रश्न-2- भारत में विश्व की कितने प्रतिशत जनसंख्या निवास करती है?	उत्तर - छात्र अनुत्तरित है।		मुख्य बिन्दु – • भारत का क्षेत्रफल विश्व का 2.40% है। • भारत में विश्व की लगभग 16.8% जनसंख्या निवास करती है।
	छात्राध्यापक प्रश्न – भारत का क्षेत्रफल विश्व का 2.40% जबकि यहाँ विश्व की 16.7% जनसंख्या निवास करती है। क्षेत्रफल की दृष्टि से विश्व में भारत का स्थान सातवाँ जबकि जनसंख्या की दृष्टि से दूसरा स्थान है।	छात्र ध्यानपूर्वक व्याख्या सुनेंगे	विधि - व्याख्या सहायक सामग्री - विभिन्न वर्षों में भारत की जनसंख्या को दर्शाता चार्ट।	

Teacher's Signature : ....

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	विधि/प्रविधि एवं सामग्री	श्यामपट्ट कार्य
	बोधात्मक प्रश्न -			
	प्रश्न -1- भारत में सर्वप्रथम जन	उत्तर- सन 1881 में भारत	प्रविधि -	विभिन्न वर्षों
	गणना कब मानी जाती है।	की सर्वप्रथम जनगणना	प्रश्नोत्तर	में भारत की
	प्रश्न -2- सन 1872 की जनगणना	मानी जाती है।		जनसंख्या
	मान्य क्यों नहीं थी ?	उत्तर - इस जनगणना		1901 - 23.8 करोड़
	प्रश्न -3- सन 2001 की जनगणना	में अनेक त्रुटियाँ पाई		1911 - 25.2 करोड़
	नुसार भारत की जनसंख्या	गई थी। यह जनगणना		1921 - 25.13 करोड़
	कितनी थी ?	मान्य नहीं थी।		1931 - 27.89 करोड़
2- कार्यशील	विकासात्मक प्रश्न -	उत्तर - 102.8 करोड़	प्रविधि -	1941 - 31.86
जनसंख्या -	प्रश्न - भारत की वर्तमान जन	उत्तर - लगभग 2 अरब	प्रश्नोत्तर	1951 - 36.10
	संख्या कितनी है ?			1961 - 43.92
	प्रश्न - भारत में कितने प्रतिशत	उत्तर - छात्र अनुत्तरित		1971 - 54.81
	जनसंख्या कार्यशील है ?	है।		1981 - 68.80
	छात्राध्यापक कथन -			1991 - 84.6
	कार्यशील जनसंख्या से	छात्र ध्यानपूर्वक व्याख्या	विधि -	2001 - 1 अरब
	आशय उन व्यक्तियों से है	सुनेंगे।	व्याख्यान	
	जो विभिन्न प्रकार के व्यवसायों			
	में लगे रहते हैं और अपनी			
	आर्थिक गतिविधियों द्वारा देश			
	के उत्पादन में सहयोग देते हैं।			
	भारत की कार्यशील जनसंख्या			
	का प्रतिशत केवल 39.1 है			
	जिसमें शहरी एवं ग्रामीण दोनों			
	क्षेत्रों की कार्यशील जनसंख्या			
	का प्रतिशत केवल 39.1%			
	है।			

SMT SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

मूल्यांकन प्रश्न -

प्रश्न-1- भारत की कितने प्रतिशत जनसंख्या उद्योग एंव खनन कार्यो में लगी हुई है।

प्रश्न-2- भारत के ग्रामीण क्षेत्र की कार्यशील जनसंख्या के आर्थिक वर्गों मे नाम बताओ।

प्रश्न-3- शहरी क्षेत्र के श्रमिकों के नाम बताओं।

प्रश्न-4- प्राथमिक क्षेत्र किसे कहते है?

ग्रह कार्य -

छात्र कार्यशील जनसंख्या का क्षेत्र लिखकर लायेंगे।

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

Date ....

Expt. No. .... Page No. 5

* पाठ योजना - 2 *

दिनाँक -
कक्षा - IX

विषय - अर्थशास्त्र
अवधि - 35 मिनट

विद्यालय - श्रीमती श्यामादेवी डिग्री कालेज आफ मनेजमेन्ट
कालांश - IV

प्रकरण - गौण व्यवसाय

शिक्षण बिन्दु	विशिष्ट उद्देश्य	विधि / प्रविधि / सहायक सामग्री
1- गौण व्यवसाय का अर्थ 2- सूती वस्त्र उद्योग 3- जूट या पटसन उद्योग	1- ज्ञानात्मक प्राप्य उद्देश्य - छात्रों को भारत के गौण व्यवसायों का प्रत्याभिज्ञान करने योग्य बनाना। 2- अवबोधात्मक उद्देश्य - छात्रों को गौण व्यवसायों की व्याख्या करने योग्य बनाना। 3- अनुप्रयोगात्मक उद्देश्य - छात्रों को गौण व्यवसायों से सम्बन्धित पूर्वकथन देने योग्य बनाना। 4- अभिरुच्यात्मक उद्देश्य - छात्रों को गौण व्यवसायों से सम्बन्धित चार्ट का प्रदर्शन करने योग्य बनाना। 5- अभिवृत्यात्मक उद्देश्य - छात्रों को गौण व्यवसायों का राष्ट्र के आर्थिक विकास में महत्व समझाने योग्य बनाना। 6- कुशलात्मक उद्देश्य - छात्रों को गौण व्यवसायों से सम्बन्धित तथ्यों का संकलन करने योग्य बनाना।	विधि - व्याख्यान प्रविधि - 1- प्रश्नोत्तर 2- प्रदर्शन सहायक सामग्री - विभिन्न गौण व्यवसायों को दर्शाता एक चार्ट।

पूर्वज्ञान - छात्रों को भारत के प्रमुख उद्योगों की सामान्य जानकारी है।

Teacher's Signature : ....

SHRI SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

Date ....

Expt. No. ....

प्रस्तावना प्रश्न –

छात्राध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
प्रश्न-1- भारत के कुछ प्रमुख प्राथमिक व्यवसाय बताओ।	उत्तर- पशुपालन, कृषि करना, मत्स्य पालन आदि।
प्रश्न-2- प्राथमिक व्यवसाय किस पर निर्भर होते है।	उत्तर- प्रकृति पर निर्भर होते है।
प्रश्न-3- भारत के अन्य प्रमुख उद्योग बताओ।	उत्तर- वस्त्र उद्योग, चीनी उद्योग आदि।
प्रश्न-4- जिन उद्योगों में प्राथमिक व्यवसाय से प्राप्त कच्चे माल का प्रयोग होता है वे कौन-से उद्योग कहलाते है?	→ छात्र अनुत्तरित है।

उद्देश्य → आज हम गौण व्यवसायों का अध्ययन करेंगे।

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	विधि/प्रविधि	श्यामपट्टकार्य
1. गौण व्यवसायों का अर्थ	विकासात्मक प्रश्न प्रश्न-1- कृषि व्यवसाय पर आधारित उद्योग कौन-से है? प्रश्न-2- ये उद्योग किस प्रकार के उद्योग है?	उत्तर- चीनी उद्योग वस्त्र उद्योग। उत्तर- छात्र अनुत्तरित है।	प्रविधि- प्रश्नोत्तर	परिभाषा → वे व्यवसाय जो प्राथमिक व्यवसायों से प्राप्त उत्पाद को कच्चे माल के रूप में प्रयोग करते है, गौण व्यवसाय के अन्तर्गत आते है।
	छात्राध्यापक कथन – गौण व्यवसाय वे व्यवसाय होते है, जिनमें प्राथमिक व्यवसाय से प्राप्त उत्पादों को कच्चा माल रूप में प्रयोग किया जाता है। इन उद्योगों में मशीनों का भी प्रयोग किया जाता है।	छात्र ध्यानपूर्वक व्याख्या सुनेंगे।	विधि- व्याख्यान सहायक सामग्री गौण व्यवसायों को दर्शाता एक चार्ट	

Teacher's Signature : ....

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

	बोधात्मक प्रश्न -			
	प्रश्न-1- गौण व्यवसाय किसे कहते हैं?	उत्तर- वे व्यवसाय जो प्राथमिक व्यवसायों से प्राप्त उत्पादों को कच्चे माल के रूप में प्रयुक्त करते है।	प्रविधि - प्रश्नोत्तर	
	प्रश्न-2- गौण व्यवसायों में कार्य कैसे किया जाता है?	उत्तर- इनमें मशीनों द्वारा कार्य किया जाता है।		
	प्रश्न-3- विकासित देश की जनसंख्या किनु व्यवसायो में संलग्न है?	उत्तर- गौण व्यवसायों में।		
2- सूती वस्त्र उद्योग.	**विकासात्मक प्रश्न -**			
	प्रश्न-1- भारत के अन्य प्रमुख उद्योग बताओ।	उत्तर- कागज उद्योग	प्रविधि- प्रश्नोत्तर	
	प्रश्न-2- सूती वस्त्र उद्योग के बारे में क्या जानते हो?	उत्तर- छात्र अनुत्तरित है।		
	छात्राध्यापक कथन			
	सूती वस्त्र उद्योग भारत का प्राचीन उद्योग है। वर्तमान समय में यह देश का सबसे बड़ा उद्योग है। सूत एवं वस्त्र उत्पादन में भारत का विश्व में तीसरा स्थान है। सन् 1818 में कोलकाता में पहली सूती कपड़ा मिल स्थापि	छात्र ध्यानपूर्वक व्याख्या सुनेगे।	विधि - व्याख्यान	मुख्य बिन्दु • भारत का प्राचीन तम उद्योग सूती वस्त्र उद्योग है। • सूत उत्पादन में भारत का विश्व में तीसरा स्थान है।

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

3- जूट या	विकासात्मक प्रश्न			
पटसन उद्योग	प्रश्न-1- भारत का प्राचीनतम उद्योग बताओ।	उत्तर- सूती वस्त्र उद्योग	प्रविधि - प्रश्नोत्तर	
	प्रश्न-2- जूट उद्योग की भारत में क्या स्थिति है?	उत्तर- हुगली अनुसरित है।		
	छात्राध्यापक कथन -			मुख्य बिन्दु
	पटसन या जूट को सोने का रेशा कहा जाता है जूट उत्पादन में भारत का विश्व में प्रथम स्थान है। सर्वाधिक जूट का उत्पादन पश्चिम बंगाल में होता है।	⇒ छात्र ध्यान पूर्वक व्याख्या सुनेंगे।	विधि - व्याख्यान	• पटसन या जूट को सोने का रेशा कहा जाता है। • जूट उत्पादन में भारत का स्थान विश्व में प्रथम है।
	बोधात्मक प्रश्न -			
	प्रश्न-1- सोने का रेशा किसे कहा जाता है?	उत्तर- सोने का रेशा पटसन या जूट को कहा जाता है।	प्रविधि - प्रश्नोत्तर	
	प्रश्न-2- जूट उत्पादन में भारत का विश्व में कौन-सा स्थान है?	उत्तर- प्रथम स्थान		

मूल्यांकन प्रश्न -

प्रश्न-1- कुछ गौण व्यवसायों के नाम बताओ।

प्रश्न-2- गौण व्यवसायों का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न-3- भारत देश में सूती वस्त्र उद्योग की क्या स्थिति है?

प्रश्न-4- जूट उद्योग के भारत में स्थानीकरण के कारण बताइए।

गृह कार्य →

छात्र गौण व्यवसाय के अर्थ को लिखकर लायेंगे।

SMT SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

पाठ योजना = 3

दिनाँक - कक्षा - IX

विषय - अर्थशास्त्र अवधि - 35 मिनट

विद्यालय - श्रीमती श्यामादेवी डिग्री कालेज आफ मैनेजमेंट कालांश - IV

* प्रकरण * कृषि विपणन *

शिक्षण बिन्दु	विशिष्ट उद्देश्य	विधि / प्रविधि / सहायक सामग्री
1- कृषि विपणन 2- कृषि विपणन के चरण 3- कृषि उपज के विपणन के दोष	1- ज्ञानात्मक प्राप्य उद्देश्य - छात्रों को कृषि उपज के विपणन का प्रत्याभिज्ञान करने योग्य बनाना। 2- अवबोधात्मक उद्देश्य - छात्रों को कृषि विपणन की व्याख्या करने योग्य बनाना। 3- अनुप्रयोगात्मक उद्देश्य - छात्रों को कृषि विपणन से सम्बन्धित पूर्व कथन देने योग्य बनाना। 4- अभिरुच्यात्मक उद्देश्य - छात्रों को कृषि विपणन की क्रियाओं से सम्बन्धित चार्ट बनाने योग्य बनाना। 5- अभिवृत्यात्मक उद्देश्य - छात्रों को कृषि का राष्ट्र के विकास में महत्व समझने योग्य बनाना। 6- कौशलात्मक उद्देश्य - छात्रों को कृषि विपणन से सम्बन्धित तथ्यों का संकलन करने योग्य बनाना।	विधि - व्याख्यान प्रविधि - 1- प्रश्नोत्तर 2- प्रदर्शन सहायक सामग्री - कृषि विपणन की क्रिया को दर्शाता हुआ एक चार्ट।

पूर्वज्ञान ->

छात्र कृषि से सम्बन्धित सामान्य जानकारी रखते हैं।

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

छात्राध्यापक क्रियाएं	छात्र क्रियाएं
प्रश्न-1- विकासशील देशों का प्रमुख व्यवसाय क्या है?	उत्तर- कृषि व्यवसाय
प्रश्न-2- कृषि से किसान क्या प्राप्त करता है?	उत्तर- कृषि करने पर किसान को उपज प्राप्त होती है।
प्रश्न-3- कृषक उपज का क्या करता है?	उत्तर- बाजार में बेच देता है।
प्रश्न-4- उत्पादित वस्तु को अन्तिम उपभोक्ता तक पहुँचाने की क्रिया क्या कहलाती है?	→ छात्र अनुत्तरित है।

उद्देश्य प्रश्न- आज हम कृषि विपणन के विषय में अध्ययन करेंगे।

प्रस्तुतीकरण —

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	विधि/प्रविधि	श्यामपट्ट कार्य
1- कृषि विपणन का अर्थ -	→ विकासात्मक प्रश्न- प्रश्न-1- कृषि से प्राप्त उपज का किसान क्या करता है?	उत्तर→ बाजार में बेच देता है।	प्रविधि - प्रश्नोत्तर	
	प्रश्न-2- कृषि विपणन का क्या अर्थ है?	उत्तर- छात्र निरुत्तर है।		
	छात्राध्यापक कथन — कृषि विपणन से अर्थ उन सभी क्रियाओं से लगाया जाता है जिसका सम्बन्ध कृषि उत्पादन को अन्तिम उपभोक्ता तक पहुँचाने में किया जाता है। कृषक का कार्य केवल कृषि उत्पादन करना ही नहीं कार्य बाजार भी है।	→ छात्र ध्यानपूर्वक व्याख्या सुनेंगे।	विधि→ व्याख्यान	कृषि विपणन उत्पादित माल को अन्तिम उपभोक्ता तक पहुँचाने की क्रिया कृषि विपणन कहलाती है।

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	विधि/प्रविधि	श्यामपट्ट कार्य
	प्रश्न-1- कृषि विपणन का अर्थ बताइए।	उत्तर- उत्पादित वस्तु को अन्तिम उपभोक्ता तक पहुँचाने की क्रिया	प्रविधि- प्रश्नोत्तर	
	प्रश्न-2- कृषक का क्या कार्य है?	उत्तर- माँग के अनुरूप उत्पादन करना		
	प्रश्न-3- कृषक को उपज किन मूल्यों पर बेचना चाहिए?	उत्तर- उचित मूल्यों पर जिससे उन्हें लाभ हो।		
2- कृषि विपणन के चरण->	विकासात्मक प्रश्न -		प्रविधि-	
	प्रश्न-1- उत्पादन को उपभोक्ता तक पहुँचाने की क्रिया कौन-सी है?	उत्तर- कृषि विपणन	प्रश्नोत्तर	
	प्रश्न-2- कृषि विपणन क्रिया के कौन-2 से चरण हैं?	उत्तर- छात्र अनुत्तरित हैं।		
	छात्राध्यापक प्रश्न->			कृषि विपणन के चरण
	कृषक को उपज उत्पादन के पश्चात भी अनेक क्रियाएँ ऐसी करनी पड़ती हैं जिनके द्वारा उत्पादित वस्तु को अन्तिम उपभोक्ता तक पहुँचाया जा सके। कृषक यह क्रिया 7 चरणों में करता है।	छात्र ध्यानपूर्वक व्याख्या सुनेंगे।	विधि- व्याख्यान	1- उपज का एकत्रीकरण। 2- सँवारना 3- श्रेणीकरण व वर्गीकरण 4- गोदामों में सुरक्षित रखना 5- वित्तव्यवस्था करना 6- विक्रय करना 7- जोखिम उठाना

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

Date ....

Expt. No. .... Page No. 12

बोधात्मक प्रश्न -		
प्रश्न-1- कृषि विपणन क्रिया के कितने चरण हैं ?	उत्तर- 4 चरण निर्धारित किये गये हैं।	प्रविधि- प्रश्नोत्तर
प्रश्न-2- श्रेणी करण व वर्गीकरण से क्या अभिप्राय है ?	उत्तर→ श्रेणीकरण व वर्गीकरण में उपज व उच्च कोटि तथा निम्न कोटि को पृथक किया जाता है।	

मूल्यांकन प्रश्न –

प्रश्न-1- कृषि विपणन किसे कहते हैं ?

प्रश्न-2- कृषि विपणन के अन्तर्गत कौन-2 सी क्रियाएँ सम्मिलित हैं ?

प्रश्न-3- कृषि उपज के एकत्रीकरण व भण्डारण से क्या तात्पर्य है ?

प्रश्न-4 कृषि उपज के विपणन में दोष बताइए

गृह कार्य –

छात्र, कृषि उपज के विपणन के सोपान लिखकर लायेंगे।

Teacher's Signature : ....

SMT. SHYAM DEVI Degree College of Science & Management

पाठ-योजना - 4

दिनाँक -   कक्षा - IX
विषय - अर्थशास्त्र   अवधि - 35 मिनट
विद्यालय - श्रीमती श्यामा देवी डिग्री कालेज   कालांश - IV

* प्रकरण * प्राथमिक व्यवसाय *

शिक्षण बिन्दु	विशिष्ट उद्देश्य	विधि/प्रविधि/स० सामग्री
1- प्राथमिक व्यवसाय का अर्थ 2- पशुपालन 3- मत्स्य पालन करना।	1- ज्ञानात्मक उद्देश्य- छात्रों को भारत के प्राथमिक व्यवसायों का प्रत्यास्मरण करने योग्य बनाना। 2- अवबोधात्मक उद्देश्य- छात्रों को प्राथमिक व्यवसायों की व्याख्या करने योग्य बनाना। 3- अनुप्रयोगात्मक उद्देश्य- छात्रों को प्राथमिक व्यवसायों से सम्बन्धित एवं कथन देने योग्य बनाना। 4- अभिरुच्यात्मक उद्देश्य- छात्रों को प्राथमिक व्यवसायों से सम्बन्धित चार्ट का प्रदर्शन करने योग्य बनाना। 5- अभिवृत्यात्मक उद्देश्य- छात्रों को प्राथमिक व्यवसायों का राष्ट्र के आर्थिक विकास में महत्व को समझने योग्य बनाना। 6- कौशलात्मक उद्देश्य- छात्रों को प्राथमिक व्यवसायों से सम्बन्धित तथ्यों का संकलन करने योग्य बनाना।	विधि- व्याख्यान, प्रविधि- 1- प्रश्नोत्तर 2- प्रदर्शन सहायक सामग्री- भारत की विभिन्न वर्षों में जनसंख्या को दर्शाता हुआ एक चार्ट।

पूर्वज्ञान- छात्र कुछ सामान्य व्यवसायों के बारे में जानकारी रखते हैं।

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

Teacher's Signature : ....

Date ....

Expt. No. .... Page No. 14

प्रस्तावना प्रश्न ⇒

छात्राध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
प्रश्न-1- भारत की अधिकांश जनता कहाँ निवास करती है?	उत्तर - भारतीय जनसंख्या मुख्यतः गाँवों में निवास करती है।
प्रश्न-2- गाँव के लोगों का मुख्य व्यवसाय क्या है?	उत्तर - कृषि करना ग्रामीणों का मुख्य व्यवसाय है।
प्रश्न-3- कृषि के अतिरिक्त गाँववासी कौन-2 से व्यवसाय करते हैं?	उत्तर ⇒ पशुपालन, टोकरी बनाना, मछली पालन आदि।
प्रश्न-4- ये सभी छोटे उद्योग किस श्रेणी के उद्योग कहलाते हैं?	⇒ छात्र अनुत्तरित हैं।

उद्देश्य कथन ⇒ आज हम प्राथमिक व्यवसायों के विषय में जानकारी में अध्ययन करेंगे।

प्रस्तुतीकरण —

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएं	विधि/प्रविधि	श्यामपट्ट कार्य
1- प्राथमिक व्यवसाय का अर्थ –	⇒ विकासात्मक प्रश्न -			
	प्रश्न-1- भारतीय अर्थव्यवस्था किस पर आधारित है?	उत्तर - कृषिपर	प्रविधि - प्रश्नोत्तर	प्राथमिक व्यवसाय ↓ जो प्रकृति पर निर्भर होते हैं।
	प्रश्न-2- कृषि व्यवसाय किस श्रेणी का व्यवसाय है?	उत्तर - छात्र अनुत्तरित हैं।		
	छात्राध्यापक कथन - ⇒ प्राकृतिक व्यवसाय पूर्णतः प्रकृति पर आश्रित होते हैं अर्थात् जिन व्यवसायों में मनुष्य प्रकृति व संसाधनों का सीधा उपयोग करके अपनी आवश्यकताओं व इच्छाओं की पूर्ति करता है।	⇒ ध्यानपूर्वक व्याख्या सुनेंगे	विधि - व्याख्यान	↓ 1- कृषि 2- पशुपालन 3- आखेट 4- मत्स्य पालन

Teacher's Signature : ....

SMT. GEHLI AMAR DEVI
Degree College of Science & Management

	बोधात्मक प्रश्न-			
	प्रश्न-1- प्राथमिक व्यवसाय किसे कहते है।	उत्तर- वे व्यवसाय जिसमें प्रकृति के साधनों का सीधा उपयोग किया जाता है।		
	प्रश्न-2- प्राथमिक व्यवसाय किस पर निर्भर होते है ?	उत्तर- प्रकृति पर		
	प्रश्न-3- कुछ प्राथमिक व्यवसायों के नाम बताइए।	उत्तर- पशुपालन कृषि आदि।		
4- पशुपालन	* विकासात्मक प्रश्न –		प्रविधि -	
	प्रश्न-1- पशुपालक कौन-2 से पशु पालते है ?	उत्तर- गाय, भैंस बकरी आदि।	प्रश्नोत्तर	
	प्रश्न-2- पशुपालन सम्बन्धी मुख्य व्यवसाय बताइए।	उत्तर- छात्र अनुत्तरित है।		
	छात्राध्यापक कथन-			
	भारत एक कृषि प्रधान देश है। यहाँ की कृषि में पशुओं का महत्वपूर्ण स्थान है। इसीलिए ग्रामीण अंचलों में कृषि के साथ-2 पशुपालन ग्रामीण जनसंख्या की आजीविका का अच्छा साधन बन गया है। भारत में विश्व के सबसे अधिक पशु पाये जाते है। विश्व की 15% गाय, 57% भैंस 20% बकरिया तथा 4% भेड़ भारत में पायी जाती है।	छात्र ध्यान पूर्वक व्याख्या सुनेंगे।	विधि - व्याख्यान	मुख्य बिन्दु भारत में सर्वाधिक पशुधन पाया जाता है। 1- गाय - 15% 2- भैंस - 57% 3- बकरी - 20%

SMT. GYAN DEVI
Degree College of Science & Management

बोधात्मक प्रश्न		प्रविधि ->
प्रश्न-1- कुछ प्रमुख पशु पालन से सम्बन्धित व्यवसाय कौन-से है?	उत्तर-> दूध, शावर चमड़ा उद्योग आदि।	प्रश्नोत्तर
प्रश्न-2- विश्व की कितने प्रतिशत भैंसे भारत में पायी जाती है।	उत्तर- 57% भैंसें भारत में पायी जाती है।	
प्रश्न-3- सर्वाधिक पशुधन विश्व में कहाँ पाया जाता है?	उत्तर - भारत में	

मूल्यांकन प्रश्न -

प्रश्न-1- प्राथमिक व्यवसाय की परिभाषा दीजिए।

प्रश्न-2- प्राथमिक व्यवसाय के अन्तर्गत कौन-से व्यवसायों को सम्मिलित किया जा सकता है?

प्रश्न-3- "भारत में सर्वाधिक पशुधन है" विवेचना दीजिए।

प्रश्न-4- मत्स्य पालन में भारत की स्थिति बताइए।

गृह कार्य -

छात्र प्राथमिक व्यवसायों को लिखकर लायेंगे।

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

पाठ योजना - 5

दिनाँक -

विषय - अर्थशास्त्र

विद्यालय -

कक्षा - IX

अवधि - 35 मिनट

कालांश - IV

* प्रकरण * भारत के आयात-निर्यात *

शिक्षण बिन्दु	विशिष्ट उद्देश्य	विधि / प्रविधि / स०सामग्री
1- व्यापार 2- भारत के आयात 3- भारत के निर्यात	1- ज्ञानात्मक प्राप्य उद्देश्य - छात्रों को भारत के व्यापार का प्रत्यास्मरण करने योग्य बनाना। 2- अवबोधात्मक उद्देश्य - छात्रों को भारत के आयात-निर्यात से अवगत कराना। 3- अनुप्रयोगात्मक उद्देश्य - छात्रों को भारत के व्यापार से सम्बन्धित व्याख्या करने तथा पूर्व कथन देने योग्य बनाना 4- अभिरुच्यात्मक उद्देश्य - छात्रों को भारत के आयात व निर्यातों को दर्शाता हुआ चार्ट प्रदर्शित करने योग्य बनाना। 5- अभिवृत्यात्मक उद्देश्य - छात्रों को भारत के राष्ट्रीय विकास में व्यापार का महत्व समझने योग्य बनाना 6- कौशलात्मक उद्देश्य - छात्रों को भारत के व्यापार से सम्बन्धित तथ्यों का संकलन करने योग्य बनाना।	विधि - व्याख्यान प्रविधि - 1- प्रश्नोत्तर 2- प्रदर्शन सहायक सामग्री - भारत के आयातों व निर्यातों को दर्शाता चार्ट।

पूर्वज्ञान - छात्र भारत के प्रमुख उद्योग-धन्धों की सामान्य जानकारी रखते है।

प्रस्तावना प्रश्न -

Teacher's Signature : ....

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

प्रश्न-1- कुछ विकसित देशों के नाम बताइए	उत्तर- जापान, फ्रांस, अमेरिका आदि
प्रश्न-2- भारत देश किस श्रेणी का देश है?	उत्तर- विकासशील देश है।
प्रश्न-3- विकासशील देशों के प्रमुख उद्योग कौन-से हैं?	उत्तर- कृषि कार्य तथा चीनी, सूती वस्त्र उद्योग आदि।
प्रश्न-4- किसी दूसरे देश से उत्पादित वस्तु को मँगाने तथा अपने देश से उत्पादित वस्तु किसी दूसरे देश को भेजने की क्रिया क्या कहलाती है?	→ छात्र निरुत्तर हैं।

उद्देश्य कथन - आज हम भारत के आयात व निर्यात के विषय में अध्ययन करेंगे।

प्रस्तुतीकरण →

व्यापार-	छात्राध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	विधि/प्रविधि	श्यामपट्ट कार्य
	विकासात्मक प्रश्न - प्रश्न-1- भारत के कुछ प्रमुख व्यवसाय बताओ।	उत्तर- सूती वस्त्र उद्योग, मशीनरी आदि।	प्रविधि - प्रश्नोत्तर	
	प्रश्न-2- व्यापार किसे कहते हैं?	उत्तर- छात्र अनुत्तरित हैं।		
	छात्राध्यापक कथन - आर्थिक लाभ अर्जित करने के लिए वस्तुओं और उत्पादों का किया जाने वाला व्यवसाय व्यापार कहलाता है। एक देश के भीतर होने वाला व्यवसाय	→ छात्र ध्यानपूर्वक व्याख्या सुनेंगे	विधि - व्याख्यान	मुख्य बिन्दु • घरेलू व्यापार - देश के भीतर होने वाला व्यापार • दो या अधिक देशों के मध्य होने वाला व्यापार

SHRI SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

	व्यापार कहलाता है। एक देश के भीतर होने वाला व्यवसाय आन्तरिक या घरेलू व्यापार होता है।			
	बोधात्मक प्रश्न -			
	प्रश्न-1- व्यापार किसे कहते है।	उत्तर- आर्थिक लाभ के लिए वस्तुओं का विनिमय व्यापार कहलाता है।	प्रविधि - प्रश्नोत्तर	
	प्रश्न-2- एक देश के भीतर होने वाले व्यापार को क्या कहते है।	उत्तर - इस प्रकार का व्यापार घरेलू व्यापार कहलाता है।		
	प्रश्न-3- अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार क्या होता होता है।	उत्तर- दो या दो से अधिक देशों के मध्य होने वाला व्यापार अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार होता है।		
2- भारत के आयात -	विकासात्मक प्रश्न -			
	प्रश्न-1- दो देशों के मध्य होने वाला व्यापार क्या कहलाता है।	उत्तर - अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार	प्रविधि - प्रश्नोत्तर	
	प्रश्न-2- आयात किसे कहते है।	उत्तर - छात्र अनुत्तरित है।		
	छात्राध्यापक प्रश्न -			
	जब एक देश में दूसरे देश से उत्पाद व वस्तुएं			

SMT SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

Date ....

Expt. No. .... Page No. 20

मँगाई जाती है तो यह क्रिया आयात कहलाती है अर्थात किसी दूसरे देश से अपने देश के लिए वस्तुएँ मँगाना आयात होता है।	छात्र ध्यानपूर्वक व्याख्या सुनेंगे।	
बोधात्मक प्रश्न –		
प्रश्न-1- आयात किसे कहते हैं?	उत्तर- दूसरे देश से वस्तुएँ मँगाना आयात कहलाता है।	प्रविधि - प्रश्नोत्तर
प्रश्न-2- आयात किन मार्गों से होता है?		
प्रश्न-3- सऊदी अरब से किस वस्तु का आयात किया जाता है।	उत्तर- जल, थल तथा वायु मार्गों से खनिज तेल का	

मूल्यांकन प्रश्न –

प्रश्न-1- व्यापार की परिभाषा बताइए।

प्रश्न-2- अन्तर्राष्ट्रीय व राष्ट्रीय तथा घरेलू व्यापार को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न-3- भारत के प्रमुख आयातों की सूची बनाइए।

प्रश्न-4- भारत के प्रमुख निर्यात क्या है?

गृह कार्य –

छात्र निर्यात परिभाषा लिखकर लायेंगे।

Teacher's Signature ....

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management